

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 25

Maximum Marks : 25

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को सावधानीपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं ।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उ. प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

- निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Answer all of the following questions in about 150 words each : 10×5=50

- (a) “संप्रभुता नागरिकों तथा प्रजा पर सर्वोच्च शक्ति है, जो विधि द्वारा परिबाधित नहीं है ।” विवेचना कीजिए ।
“Sovereignty is the supreme power over citizens and subjects, unrestrained by law.” Discuss. 10
- (b) राउल्स के अनुसार सुव्यवस्थित समाज न्याय की जन अवधारणा द्वारा प्रभावी रूप से नियमित होता है । क्या आप इससे सहमत हैं ? कारण स्पष्ट कीजिए ।
A well-ordered society, according to Rawls, is effectively regulated by a public conception of justice. Do you agree ? Give reasons. 10
- (c) “समाजवाद स्वयं में लोकतंत्र की पूर्णता है ।” विश्लेषण कीजिए ।
“Socialism itself is the fulfilment of democracy.” Analyse. 10
- (d) इस कथन का मूल्यांकन कीजिए कि प्रत्येक मानव को कुछ अविच्छेद्य (अदेय) अधिकार प्राप्त हैं ।
Evaluate the statement that all human beings have certain unalienable rights. 10
- (e) “दंडित करने का उद्देश्य व्यक्ति में सुधार लाना होना चाहिए ।” टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए ।
“The goal in punishing should be to reform the individual.” Comment. 10
- (a) क्या स्वतन्त्रता आत्मज्ञान प्राप्ति के लिए सकारात्मक एवं समान अवसर है ? विवेचना कीजिए ।
Is liberty a positive and equal opportunity of self-realization ? Discuss. 15
- (b) किन आधारों पर लैस्की ने संप्रभुता से संबद्ध ऑस्टिन की अवधारणा की आलोचना की ?
On what grounds does Laski criticize Austin’s concept of sovereignty ? 15
- (c) “स्वतन्त्र भाषण के अधिकार में न्यायपालिका की प्रामाणिक स्वतन्त्रता अंतर्निहित है और यह उसे कार्यपालिका से पूर्णतः अलग करता है ।” मूल्यांकन कीजिए ।
“The right of free speech implies the genuine independence of the judiciary and its complete separation from the executive.” Evaluate. 20

- Q3.** (a) क्या हम राज्य को शासक वर्गों की इच्छाओं को व्यक्त करने की संस्था मानते हैं ? परीक्षण कीजिए ।
Is the State an agency for expressing the will of the ruling classes ?
Examine. 20
- (b) “प्रभुत्व से मुक्ति” को क्या हम बहुसांस्कृतिकवाद के लिए एक वजह (औचित्य) मान सकते हैं ? कारणों सहित अपना उत्तर प्रस्तुत कीजिए ।
Can we consider “freedom from domination” as one of the justifications for multiculturalism ? Give reasons for your answer. 15
- (c) क्या यह सम्भव है कि सामाजिक प्रगति का मापन आर्थिक विकास के इतर (स्वतंत्र) कर लिया जाए ? विवेचना कीजिए ।
Is it possible to measure social progress independent of economic development ? Discuss. 15
- Q4.** (a) “जहाँ तक मेरा सम्बन्ध है मैं नारीत्व को कमजोर लिंग नहीं मानता । यह दोनों में से अधिक महान् है ।” गाँधी के इस कथन का मूल्यांकन कीजिए ।
“To me the female sex is not the weaker sex. It is the nobler of the two.”
Evaluate this statement of Gandhi. 15
- (b) क्या आप सहमत हैं कि सामूहिक मीमांसा तथा निर्णयन के द्वारा महिलाएँ सशक्त हो सकती हैं ? विवेचना कीजिए ।
Do you agree that women become empowered through collective reflection and decision-making ? Discuss. 15
- (c) ऐतिहासिक तथा सामाजिक परिप्रेक्ष्यों के आधार पर अम्बेडकर ने जाति व्यवस्था का किस प्रकार विश्लेषण किया ? व्याख्या कीजिए ।
How did Ambedkar analyse the caste system from the historical and social perspectives ? Explain. 20

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50

- (a) 'आधुनिक संवेदनशीलता तथा निरंकुश ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण' एक-साथ नहीं चल सकते हैं। इस विचार पर अपनी समालोचना प्रस्तुत कीजिए।
Critically discuss the view that 'modern sensibility and total obedience to a despotic God' do not go hand in hand. 10
- (b) "विश्व-धर्म एक प्रकार से आध्यात्म एवं मानवता का सम्मिश्रण है।" मूल्यांकन कीजिए।
"World-religion is a spiritualistic and humanistic composite." Evaluate. 10
- (c) क्या धार्मिक निरपेक्षवाद धार्मिक बहुतत्त्ववाद के लिए खतरा है? विवेचना कीजिए।
Is Religious absolutism a threat to Religious pluralism? Discuss. 10
- (d) बौद्ध धर्म आत्मा के अमरत्व पर विश्वास नहीं करता, परन्तु पुनर्जन्म की घटना पर विश्वास करता है। परीक्षण कीजिए।
Buddhism disbelieves in the immortality of soul, but accepts the phenomenon of rebirth. Examine. 10
- (e) आस्था का अर्थ ईश्वर के प्रति मानव की जागरूकता है; परन्तु यह विवेकहीन नहीं हो सकता। विश्लेषण कीजिए।
Faith means human awareness of God; but it cannot be irrational. Analyse. 10

- Q6. (a) श्रुति मूर्त रूप में वक्तव्यों या प्रतिज्ञप्तियों में व्यक्त की गई सत्यों से बनी होती है। परन्तु यह तर्क से परे नहीं हो सकती है। विवेचना कीजिए।
The content of *revelation* is a body of truths expressed in statements or propositions. But it cannot be against *reason*. Discuss. 15
- (b) प्राच्य (पूर्वी) धर्मों में मानव और संसार की तुलना तथा विषमता प्रस्तुत कीजिए।
Compare and contrast the relation of man to the world in the oriental religions. 20
- (c) दर्शाइए कि ईश्वर के अन्तर्यामित्र (अंतर्वर्तिता) तथा इंद्रियातीत गुण किस तरह उनके सर्वव्यापकता तथा अनन्तता को प्रदर्शित करते हैं।
Show how the attributes of *immanence* and *transcendence* of God go with *omnipresence* and *infinity*. 15

- Q7.** (a) रहस्यवादी अनुभव की प्रकृति तथा वैधता का उल्लेख एवं मूल्यांकन कीजिए ।
 State and evaluate the nature and validity of mystic experience. 20
- (b) “नैतिकता के सिद्धान्त तब अधिक कारगर होंगे जब वे किसी धर्म से स्वाधीन तथा असम्बद्ध हों ।” विवेचना कीजिए ।
 “Moral principles function better when they remain independent and unconnected with religion.” Discuss. 15
- (c) “यह कहना ही स्वतः विरोधाभासी होगा कि कल्पना की जा सकने वाली सर्वाधिक सिद्ध सत्ता में अस्तित्व में होने के लक्षणों का अभाव होता है ।” विश्लेषण कीजिए ।
 “It would be self-contradictory to say that the most perfect conceivable being lacks the attribute of existence.” Analyse. 15
- Q8.** (a) “यदि ईश्वर सर्वशक्तिमान है, तब तो सभी प्रकार की बुराइयों को समाप्त करने की ईश्वर की इच्छा अवश्य रही होगी; परन्तु संसार में नैतिक तथा प्राकृतिक बुराईयाँ उग्र रूप से प्रचलित हैं ।” एक ईश्वरवादी/आस्तिक की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी ?
 “If God is all-powerful, God must wish to abolish all evils; but moral and natural evils are rampant in the world.” How would a theist react to this ? 20
- (b) धार्मिक भाषा से सम्बन्धित विभिन्न विचारों के मध्य कौन-सा विचार अधिक संतोषजनक है तथा क्यों ?
 Among the different views of religious language, which one is more satisfactory and why ? 15
- (c) “प्रकृति की दुनिया उतनी ही जटिल तथा स्पष्टतः रूपांकित है जितनी कि एक घड़ी ।” मूल्यांकन कीजिए ।
 “The natural world is as complexly and manifestly designed as a watch.” Evaluate. 15

prepp
Your Personal Exam Guide